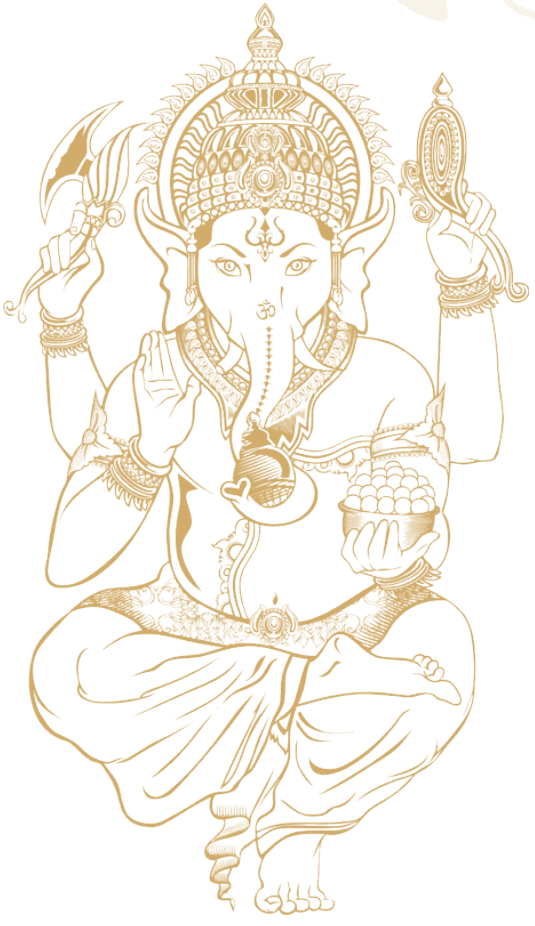

Rakesh Kumar Sharma

27 May 1980

08:00 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121050303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/05/1980**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	06:15:03 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:36:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:55 घंटे
साम्पातिक काल	23:55:34 घंटे
सूर्योदय	05:29:58 घंटे
सूर्यास्त	19:11:56 घंटे
दिनमान	13:41:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:22:33 वृष
लग्न के अंश	17:09:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:09:17	318:16:37	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	12:22:33	00:57:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:23:59	12:08:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	14:25:46	00:24:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृष	27:51:43	01:53:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	08:03:19	00:05:16	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व		मिथु	08:54:13	00:05:26	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			सिंह	26:37:54	00:00:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	00:08:11	00:10:54	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:08:11	00:10:54	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		तुला	29:26:42	00:02:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	28:08:49	00:01:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	25:40:35	00:01:01	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			मीन	05:12:15	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:48

लग्न-चलित

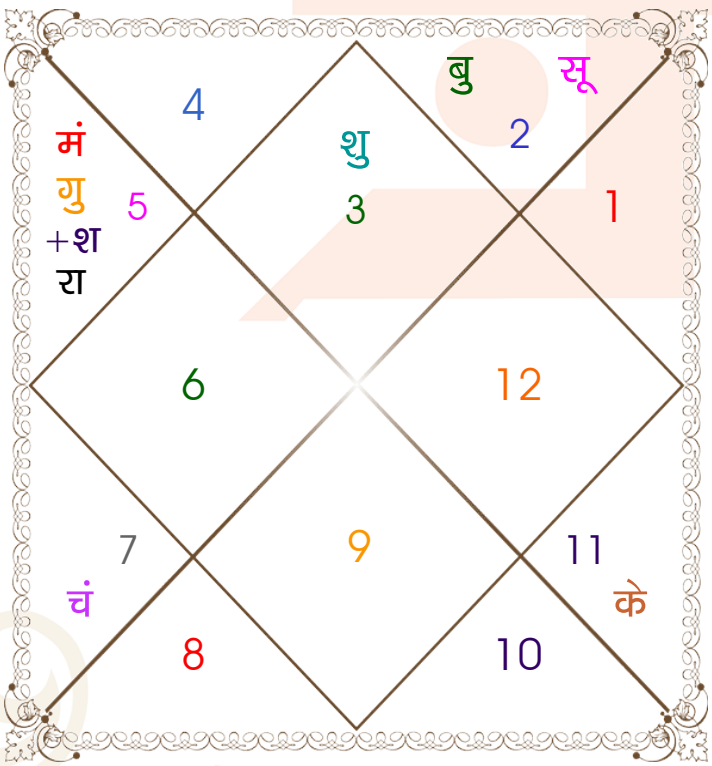

चन्द्र कुंडली

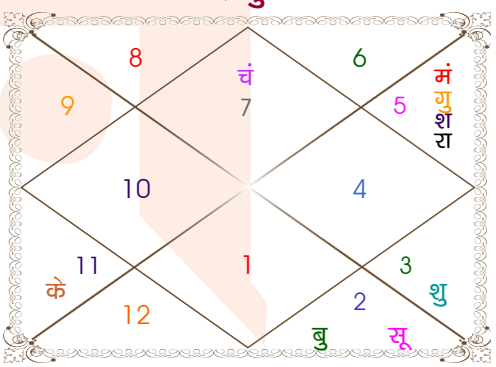

नवमांश कुंडली

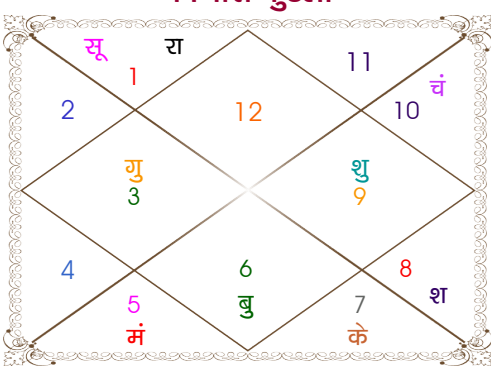

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 11 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/1980		13/05/1993		13/05/2009		12/05/2028		13/05/2045	
13/05/1993		13/05/2009		12/05/2028		13/05/2045		12/05/2052	
	27/05/1980	गुरु	01/07/1995	शनि	15/05/2012	बुध	09/10/2030	केतु	09/10/2045
गुरु	18/06/1980	शनि	11/01/1998	बुध	24/01/2015	केतु	06/10/2031	शुक्र	09/12/2046
शनि	25/04/1983	बुध	18/04/2000	केतु	03/03/2016	शुक्र	06/08/2034	सूर्य	16/04/2047
बुध	11/11/1985	केतु	25/03/2001	शुक्र	04/05/2019	सूर्य	13/06/2035	चंद्र	15/11/2047
केतु	30/11/1986	शुक्र	24/11/2003	सूर्य	15/04/2020	चंद्र	11/11/2036	मंगल	12/04/2048
शुक्र	30/11/1989	सूर्य	11/09/2004	चंद्र	14/11/2021	मंगल	08/11/2037	राहु	30/04/2049
सूर्य	24/10/1990	चंद्र	11/01/2006	मंगल	24/12/2022	राहु	28/05/2040	गुरु	06/04/2050
चंद्र	24/04/1992	मंगल	18/12/2006	राहु	30/10/2025	गुरु	02/09/2042	शनि	16/05/2051
मंगल	13/05/1993	राहु	13/05/2009	गुरु	12/05/2028	शनि	13/05/2045	बुध	12/05/2052

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/05/2052		12/05/2072		13/05/2078		12/05/2088		13/05/2095	
12/05/2072		13/05/2078		12/05/2088		13/05/2095		00/00/0000	
शुक्र	12/09/2055	सूर्य	30/08/2072	चंद्र	13/03/2079	मंगल	09/10/2088	राहु	23/01/2098
सूर्य	11/09/2056	चंद्र	01/03/2073	मंगल	12/10/2079	राहु	27/10/2089	गुरु	28/05/2100
चंद्र	13/05/2058	मंगल	06/07/2073	राहु	12/04/2081	गुरु	03/10/2090		00/00/0000
मंगल	13/07/2059	राहु	31/05/2074	गुरु	12/08/2082	शनि	12/11/2091		00/00/0000
राहु	13/07/2062	गुरु	19/03/2075	शनि	12/03/2084	बुध	08/11/2092		00/00/0000
गुरु	13/03/2065	शनि	29/02/2076	बुध	12/08/2085	केतु	06/04/2093		00/00/0000
शनि	12/05/2068	बुध	05/01/2077	केतु	13/03/2086	शुक्र	06/06/2094		00/00/0000
बुध	13/03/2071	केतु	13/05/2077	शुक्र	12/11/2087	सूर्य	12/10/2094		00/00/0000
केतु	12/05/2072	शुक्र	13/05/2078	सूर्य	12/05/2088	चंद्र	13/05/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।